



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, वीरवार, 25 अक्तूबर, 2007 / 3 कार्तिक, 1929

हिमाचल प्रदेश सरकार

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 28 सितम्बर, 2007

संख्या : एस० जे० ई०-एफ (2)-2/2006.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, निःशक्त व्यक्ति (समान अवसर, अधिकार संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 (1996 का 1) की धारा 38 की उप-धारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित स्कीम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—इस स्कीम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश निःशक्त व्यक्ति का व्यावसायिक पुनर्वास स्कीम, 2007 है।

(2) यह स्कीम राजपत्र में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होगी।

2. परिभाषाएं.—(1) इस स्कीम में जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(क) “अधिनियम” से निःशक्त व्यक्ति (समान अवसर, अधिकार संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम, 1995 अभिप्रेत है;

- (ख) "अभ्यर्थी" से निःशक्त व्यक्ति अभिप्रेत है, जिसे इस स्कीम के अधीन प्रशिक्षण दिया जाना है;
- (ग) "विभाग" से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग हिमाचल प्रदेश अभिप्रेत है;
- (घ) "निदेशक" से निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, हिमाचल प्रदेश अभिप्रेत है;
- (ङ) "जिला कल्याण अधिकारी" से संबद्ध जिले का जिला कल्याण अधिकारी अभिप्रेत है;
- (च) "प्ररूप" से इस स्कीम से संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है;
- (छ) "सरकार" से हिमाचल प्रदेश सरकार अभिप्रेत है;
- (ज) "संस्थान" से हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा चलाया जाने वाला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान या अतिकुशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की प्रस्थापना करने वाला निजी (प्राइवेट) संस्थान अभिप्रेत है;
- (झ) "निःशक्त व्यक्ति" से जिला स्तरीय चिकित्सा बोर्ड द्वारा यथा प्रमाणित कम से कम चालीस प्रतिशत की निःशक्तता से पीड़ित व्यक्ति अभिप्रेत है; और
- (ञ) "तहसील कल्याण अधिकारी" से संबद्ध तहसील का तहसील कल्याण अधिकारी अभिप्रेत है;
- (2) समस्त अन्य शब्दों और पदों के जो इसमें प्रयुक्त हैं परन्तु परिभाषित नहीं हैं वहीं अर्थ होंगे जो अधिनियम में हैं।

3. लक्ष्य और उद्देश्य निम्नलिखित है, अर्थात् :-

- (i) समुदाय में निःशक्त व्यक्तियों की योग्यताओं से अवगत करना;
- (ii) निःशक्त व्यक्तियों की पूर्ण क्षमताओं को प्रकट करने के उद्देश्य से, ग्रामीण क्षेत्रों में शिविर आयोजित करके उनकी शारीरिक, मानसिक सामाजिक और व्यावसायिक आवश्यकताओं की पहचान (परिलक्षित) करना और उनका मूल्यांकन करना;
- (iii) निःशक्त व्यक्तियों के कौशल को उनकी वैयक्तिक बौद्धिक और शारीरिक क्षमताओं के अनुरूप विकसित करना;
- (iv) ग्रामीण / शहरी क्षेत्रों में निःशक्त व्यक्तियों के लिए उपयुक्त उप-जीविका की पहचान (परिलक्षित) करना और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों या भारत सरकार द्वारा चलाई जाने वाली संस्थाओं या अतिकुशल, प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की प्रस्थापना करने वाले निजी (प्राइवेट) संस्थानों के माध्यम से प्रशिक्षण की व्यवस्था करना;
- (v) निःशक्त व्यक्तियों के शीघ्र पुनर्वास हेतु सरकारी और गैर-सरकारी अभिरक्षणों का नेटवर्क तैयार करना;
- (vi) वित्तीय संस्थानों की सहायता से स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप स्व-रोजगार के अवसरों की अभिवृद्धि करना; और
- (vii) निःशक्त व्यक्तियों के स्वयं सहायता समूहों का संवर्धन करना।

4. पात्रता मानदण्ड.—(1) इस स्कीम के अधीन व्यवसायिक प्रशिक्षण हेतु अभ्यर्थियों के चयन के लिए पात्रता शर्तें निम्नलिखित होंगी, अर्थात् वह :—

- (i) हिमाचल प्रदेश का स्थायी निवासी हो;
- (ii) निःशक्त व्यक्ति हो जो जिला स्तरीय चिकित्सा बोर्ड द्वारा यथा प्रमाणित, अधिनियम के अधीन निःशक्तता की श्रेणी से संबंध रखता हो;
- (iii) प्रशिक्षण में प्रारम्भ की तारीख को 18 से 45 वर्ष की आयु का हो;
- (iv) विभाग द्वारा प्रस्थापित विभिन्न पाठ्यक्रमों/कार्यक्रमों के लिए यथा अपेक्षित मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय से न्यूनतम शैक्षिक अर्हता पास हो; और
- (v) यथास्थिति गरीबी रेखा से नीचे के परिवार से संबंध रखता हो, या जिसके माता-पिता/संरक्षक की वार्षिक आय 1,00,000/— रुपये (एक लाख) से कम हो।

5. अभ्यर्थियों का चयन.—(1) व्यावसायिक प्रशिक्षण हेतु अभ्यर्थियों का चयन निम्नलिखित रीति में किया जाएगा, अर्थात्:—

- (i) निदेशक या उसके द्वारा प्राधिकृत कोई अधिकारी, प्ररूप-1 में पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित करते हुए, दो स्थानीय दैनिक समाचार-पत्रों/आकाशवाणी/विभागीय वेबसाइट/स्थानीय केवल टी0 बी0 नेटवर्क में विज्ञापन जारी करवाएगा। आवेदन संबद्ध जिला कल्याण अधिकारी के कार्यालय में विज्ञापन की तारीख से 30 दिन के अग्रचात् प्रस्तुत किए जाएंगे;
- (ii) निदेशक, समस्त जिला कल्याण अधिकारियों के पास प्रशिक्षण हेतु उपलब्ध जिला-वार और ट्रेड-वार स्थानों को अधिसूचित करेगा;
- (iii) संबद्ध जिला कल्याण अधिकारी ग्राम पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों के माध्यम से भी पात्र अभ्यर्थियों से प्ररूप-1 में आवेदन आमंत्रित करेगा;
- (iv) आवेदनों की प्राप्ति की अंतिम तारीख के पश्चात् संबद्ध जिला का जिला कल्याण अधिकारी या कोई अन्य प्राधिकृत अधिकारी न्यूनतम शैक्षिक अर्हता, अतिरिक्त अर्हता और निःशक्तता की प्रतिशतता को वरीयता देते हुए पात्र आवेदकों की प्ररूप-11 में ट्रेड-वार योग्यता-सूची तैयार करेगा। पाठ्यक्रम-वार योग्यता सूची निम्नलिखित प्रक्रिया के अनुसार तैयार की जाएगी :—

(क) पाठ्यक्रम के लिए विनिर्दिष्ट न्यूनतम शैक्षिक अर्हता में निष्पादन (परफारमेन्स) के लिए अधिमान	.. 10 अंक
(ख) अतिरिक्त अर्हता के लिए अधिमान	.. 4 अंक
(ग) चिकित्सा बोर्ड द्वारा यथा प्रमाणित अधिकतम निःशक्तता के लिए अधिमान	.. 6 अंक
कुल 20 अंक

- (v) योग्यता के क्रम में अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को निम्नलिखित शर्तों के अधीन, प्रशिक्षण के लिए चयनित किया जाएगा, अर्थात्:

- (क) अभ्यर्थियों का चयन जिलों को आबंटित लक्ष्यों के अनुसार ट्रेड-वार/वर्ग-वार किया जाएगा;

- (ख) आबंटित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पहले गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों से संबद्ध अभ्यर्थियों को लिया जाएगा और गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों से संबद्ध अभ्यर्थियों की कमी/अनुपलब्धता की दशा में, उन अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा, जिनके माता-पिता/संरक्षकों की वार्षिक आय एक लाख रुपये से कम है।
- (vi) चयन प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात् चयनित अभ्यर्थियों को अपनी रजामंदी की रिपोर्ट जिला कल्याण अधिकारी को देने हेतु रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा सूचित किया जाएगा ऐसा न होने पर जिला कल्याण अधिकारी योग्यता सूची (मैरिट लिस्ट) में अगले अभ्यर्थी को उसे वैयक्तिक रूप से रिपोर्ट करने अपनी रजामंदी या फ़ैक्स/तार के माध्यम से भेजने के लिए आमंत्रित करेगा। लक्ष्य में कमी की दशा में, जिला कल्याण अधिकारी योग्यता (मैरिट) अगले अभ्यर्थियों को आमंत्रित करेगा। चयन प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात्, संबद्ध जिला कल्याण अधिकारी, चयनित अभ्यर्थियों की सूची प्रशिक्षण के लिए संबद्ध औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान/अन्य संस्थान, यदि कोई हो, को भेजेगा जिसकी एक प्रति निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता/तकनीकी शिक्षा को भेजी जाएगी।
6. **प्रशिक्षण.**—(1) अभ्यर्थी को जिला/तहसील स्तरों पर औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के नेटवर्क के माध्यम से संस्थानों के नेटवर्क के माध्यम से संस्थागत व्यावसायिक प्रशिक्षण निदेशक के परामर्श से तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा तैयार किए गए आवश्यकता पर आधारित उपयुक्त ट्रेडों (व्यवसायों) में दिया जाएगा और प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे।
7. **संस्थान का चयन.**—(1) औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के अतिरिक्त या अन्यथा उनमें ट्रेडों (व्यवसायों) के अधीन उन संस्थाओं का चयन जिनमें प्रशिक्षण दिया जाना है, निम्नलिखित चयन समिति द्वारा किया जाएगा:—
- | | |
|--|------------|
| (क) निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, हिमाचल प्रदेश | .. अध्यक्ष |
| (ख) निदेशक, तकनीकी शिक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश | .. सदस्य |
| (ग) निदेशक, उद्योग विभाग, हिमाचल प्रदेश | .. सदस्य |
| (घ) निदेशक, श्रम एवं रोजगार विभाग, हिमाचल प्रदेश | .. सदस्य |
| (ङ) दो विशेष आमंत्रित व्यक्ति | .. सदस्य |
- (2) अभ्यर्थियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण बोर्डिंग और वाससुविधा (लाजिंग) को छोड़ कर (अपवर्जित करते हुए) मुफ्त दिया जाएगा और विभाग संस्थानों में व्यावसायिक प्रशिक्षण की कुल लागत सरकार द्वारा समय-समय पर यथा अनुमोदित दरों पर वहन करेगा।
- (3) विभाग प्रशिक्षण के दौरान प्रत्येक अभ्यर्थी को 1000/— (एक हजार) रुपये प्रतिमास वृत्तिका देगा।
- (4) संबद्ध जिले का जिला कल्याण अधिकारी अभ्यर्थियों को जिला स्तर पर व्यावसायिक प्रशिक्षण देने के लिए समन्वयक होगा और वह प्रत्येक अभ्यर्थी को वृत्तिका मंजूर करने और संवितरण के लिए सक्षम प्राधिकारी होगा।
- (5) अभ्यर्थी प्रतिमास एक दिन के अवकाश और समस्त राजपत्रित अवकाश का हकदार होगा।
- (6) जिला कल्याण अधिकारी संस्था के प्रभावी अधिकारी की इस सिफारिश पर कि अभ्यर्थी प्रशिक्षण में सम्यक रुचि नहीं ले रहा है या उसका आचरण संतोषजनक नहीं है किसी अभ्यर्थी को निकाल (डिस्चार्ज) सकेगा।

8. पुनर्वास.—(1) प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूर्ण होने के पश्चात्, अभ्यर्थी को निम्नलिखित अभिकरणों के माध्यम से स्थानीय संसाधनों के उपयोग और ब्याज की नाममात्र दरों पर ऋण प्राप्त करते हुए विपणन के विस्तार वाले अधिमानतः न्यूनतम विनिधान सहित लघु उद्यम प्रारम्भ करने के लिए प्रेरित किया जाएगा, अर्थात् :—

- (क) हिमाचल प्रदेश अल्प संख्यक वित्त और विकास निगम शिमला—राष्ट्रीय विकलांग वित्त और विकास निगम का माध्यम अभिकरण।
- (ख) जिला उद्योग केन्द्र।
- (ग) हिमाचल प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड।
- (घ) राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार द्वारा कर््यान्वित की जा रही विभिन्न स्कीमों के माध्यम से जिला ग्रामीण विकास अभिकरण।

(2) संबद्ध जिला कल्याण अधिकारी, प्रशिक्षणार्थी को वित्तीय संस्थानों से ऋण प्राप्त करने में सहायता करेगा।

(3) अभ्यर्थी द्वारा उद्यम की स्थापना के पश्चात् संबद्ध तहसील कल्याण अधिकारी द्वारा, उद्यम की निरंतरता और ऋणों का प्रतिसंदाम सुनिश्चित करने के लिए इसका अनुवर्तन किया जाएगा और वह विभिन्न स्व-रोजगार संवर्धन अभिकरणों के साथ निकट सम्पर्क बनाए रखेगा तथा पुनर्वासित व्यक्तियों के पूर्ण आंकड़े वर्ष-वार रखेगा।

9. स्कीमों का अनुश्रवण (मानीटरिंग).—(1) स्कीमों का कार्यान्वयन राज्य स्तर पर निम्नलिखित समितियों द्वारा किया जाएगा, अर्थात् :—

(i) राज्य स्तरीय समिति:

- | | |
|--|------------|
| (क) निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, हिमाचल प्रदेश | .. अध्यक्ष |
| (ख) निदेशक, तकनीकी शिक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश | .. सदस्य |
| (ग) निदेशक, श्रम एवं रोजगार विभाग, हिमाचल प्रदेश | .. सदस्य |
| (घ) निदेशक, उद्योग विभाग, हिमाचल प्रदेश | .. सदस्य |
| (ङ) चयनित संगठन/संस्था का प्रभारी | .. सदस्य |

(ii) जिला स्तरीय समिति :

- | | | |
|-------------------------------------|-----|------------|
| (क) उपायुक्त | ... | अध्यक्ष |
| (ख) जिला रोजगार अधिकारी | ... | सदस्य |
| (ग) महा प्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र | ... | सदस्य |
| (घ) चयनित संस्था का प्रभारी | ... | सदस्य |
| (ङ) जिला कल्याण अधिकारी | ... | सदस्य—सचिव |

(2) उप-पैरा(1) अधीन स्थापित समितियां स्कीमों के कार्यान्वयन का अनुश्रवण छह मास में एक बार करेंगी।

10. संपरीक्षा.—इन नियमों के अधीन संव्यवहार महोलखाकार (संपरीक्षा), हिमाचल प्रदेश, शिमला—3 द्वारा संपरीक्षा के अध्यक्षीन होंगे।

प्ररूप- I

[पैरा 5(i) और (iii) देखें]

निःशक्त व्यक्तियों का व्यावसायिक पुनर्वास स्कीम के अधीन आवेदन प्ररूप

1. पूरा नाम.....
2. पिता/पति का नाम.....
3. वर्तमान पता :
गांव.....डाकघर.....जिला.....
पिन.....(हि0 प्र0)।
4. स्थाई पता :
गांव.....डाकघर.....जिला.....
पिन.....(हि0 प्र0)।
5. जन्म की तारीख.....
6. लिंग : पुरुष/स्त्री
7. समुदाय : अ0जा0/अ0ज0जा0/अ0पि0व0/सामान्य
8. क्षेत्र : ग्रामीण/शहरी
9. परिवार के सदस्य :
पिता/माता.....आयु.....उप-जीविका.....
नाम.....अलग/साथ रहते हैं.....
भाई/बहन.....।
10. परिवार की वार्षिक आय.....
11. निःशक्तता : अंधापन/एल0वी0/एच0आई0/एम0आर0/ओ0 एच0/एल0सी0.....
12. निःशक्तता का कारण : जन्मजात/रोग/चोट.....
13. निःशक्तता की प्रतिशतता
14. गंभीरता : मन्द/मध्यम/गहरी/पूर्ण.....
15. क्या कोई साधन/उपकरण प्रयोग करता/करती है
16. अर्जित कुशलताएं/योग्यताएं.....
17. शैक्षिक अर्हताएं :
उत्तीर्ण की गई परीक्षा.....उत्तीर्ण करने का वर्ष.....
विषय.....
प्रतिशतता संख्या.....बोर्ड/विश्वविद्यालय.....
18. तकनीकी अर्हताएं :
उत्तीर्ण की गई परीक्षा.....उत्तीर्ण करने का वर्ष.....
विषय.....
प्रतिशतता.....प्रशिक्षण की अवधि.....
19. प्राप्त किया गया अन्य कोई प्रशिक्षण.....
20. कार्य अनुभव :
नियोक्ता का नाम और पता.....
.....अवधि.....
दिन.....छोड़ने के कारण.....।
21. वर्तमान उपजीविका.....
22. यदि बेरोजगार है तो कब से और आप अपना गुजारा कैसे करते हो.....
23. क्या किसी बैंक से कोई ऋण लिया है?.....

आवेदक के हस्ताक्षर।

प्ररूप-II
[पैरा 5(iv) देखें]
योग्यता सूची का क्रम

व्यवसाय का नाम.....

निःशक्तताओं के नाम.....

क्र० सं०	नाम और पता	आई०आर० डी० पी० संख्या	जन्म की तारीख	निःशक्तताओं की प्रतिशतता अधिकतम 6 अंक 40%-60%=2 61%-80%=4 81%-100%=6	यूनतम शैक्षिक अहर्ता (10)				अतिरिक्त अहर्ता (अधिकतम अंक=4)	दिए गए कुल अंक	क्रम स्था- पना
					अधिकतम अंक	प्राप्त अंक	प्रतिश- तता	दिए गए अंक			

आदेश द्वारा,
भीम सेन,
प्रधान सचिव।

In the Court of Shri Rakesh Verma, Sub-Divisional Magistrate, Chowari, District Chamba(H. P.)

Proclamation under order 5, Rule 20, C.P.C.

Birth and Deaths Registration under section 13 (3) of the Registration Act, 1969.

Whereas Shri Pawan Kumar s/o Shri Dharam Singh, r/o Kulerma, Pargana Chowari, Tehsil Bhattiyat, District Chamba has filed an affidavit regarding the registration of date of birth of his son 13-11-2001 and name Ritik Kumar of his son in the Panchayat records of Torksha.

Hence this proclamation is issued to the general public if any objection/claim regarding the registration of entry of date of birth, he may file his claim/objection on or before 12-11-2007 in this Court, failing which the necessary orders will be passed to the concerned Gram Panchayat for registration.

Given today under my signature and seal of Court.

Seal.

RAKESH VERMA
Sub-Divisional Magistrate,
Chowari, District Chamba (H. P.).

ब अदालत श्री आर० के० प्रूथी मैरिज आफिसर एवं उप-मण्डल दण्डाधिकारी, हमीरपुर, जिला हमीरपुर,
हिमाचल प्रदेश

1. Shri Bir Singh aged 38 Years s/o Shri Mohan Singh, r/o Village Nanout, P. O. Uhal, Tehsil and district Hamirpur (H. P.).

2. Smt. Rekha Kumari aged 30 yeears d/o shri Bidhi Chand, r/o V. P. O. Guardu, Tehsil and District Hamirpur.

बनाम

आम जनता

उपरोक्त मुकद्दमा में श्री बीर सिंह एवं रेखा कुमारी ने शिव मन्दिर हमीरपुर में दिनांक 28-8-2007 को शादी करनी है जिसे स्पैशल मैरिज एक्ट, 1954 के अन्तर्गत पंजीकृत किया जाना है।

अतः आम जनता एवं उनके रिश्तेदारों को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त शादी पंजीकरण करने बारे किसी व्यक्ति को कोई उजर या एतराज हो तो वह दिनांक 12-11-2007 को सुबह 10.00 बजे या इससे पहले असालतन या वकालतन हाजर अदालत होकर पेश करें अन्यथा शादी पंजीकरण करने बारे आगामी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 10-10-2007 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

मोहर।

आर० के० प्र०,

मैरिज आफिसर एवं उप-मण्डल दण्डाधिकारी,
हमीरपुर, जिला हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री विनय सिंह, एच० ए० एस०, उप-मण्डल मैजिस्ट्रेट, मनाली, हिमाचल प्रदेश

श्री योगिन्दर कपूर पुत्र स्व० श्री देवी रूप कपूर, निवासी सियाल, डा० व तहसील मनाली, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

आम जनता

विषय.—प्रकाशन इश्तहार बावत जन्म तिथि पंजीकरण जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्री योगिन्दर कपूर पुत्र स्व० श्री देवी रूप कपूर, निवासी सियाल, डा० मनाली, तहसील मनाली, जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश ने इस न्यायालय में आवेदन-पत्र मय शपथ-पत्र गुजारा है कि उसके पुत्र अखिलेस कपूर जो दिनांक 11-6-2004 को पैदा हुआ है, परन्तु उसकी जन्म तिथि ग्राम पंचायत नसोगी के रिकार्ड में दर्ज न की गई है जिसे अब दर्ज करवाने के आदेश सादर फरमाए जावे।

अतः सर्वसाधारण को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को मास्टर अखिलेस कपूर की जन्म तिथि दर्ज करवाने बारे आपत्ति हो तो वह दिनांक 20-11-2007 को या इससे पूर्व अदालत हजा में अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। इसके उपरान्त कोई भी उजर व एतराज समायत न होगा तथा नियमानुसार जन्म तिथि दर्ज करवाने के आदेश पारित कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 9-10-2007 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी हुआ।

मोहर।

विनय सिंह,

उप-मण्डल मैजिस्ट्रेट,
मनाली, जिला कुल्लू (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री मदन कुमार, कार्यकारी दण्डाधिकारी, सदर मण्डी, जिला मण्डी (हि0 प्र0)

श्री टोडर सिंह पुत्र श्री सोहण सिंह, निवासी पीपला धारटी, डा0 मझवाड़, तहसील सदर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना—पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री टोडर सिंह पुत्र श्री सोहण सिंह, निवासी पीपला धारटी, डाकघर मझवाड़, तहसील सदर मण्डी, ने इस अदालत में प्रार्थना—पत्र मय शपथ—पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उनका जन्म दिनांक 6—11—1952 को हुआ था, परन्तु अज्ञानतावश उसकी जन्म तिथि ग्राम पंचायत मझवाड़ के रिकार्ड में दर्ज नहीं करा सका।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारे किसी को कोई एतराज हो तो दिनांक 5—11—2007 को अदालतन या वकालतन प्रातः 11.00 बजे हाजिर हो कर अपना एतराज पेश कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्रार्थना—पत्र श्री टोडर सिंह पुत्र श्री सोहण सिंह पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

आज दिनांक 5—10—2007 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

मदन कुमार,
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
सदर मण्डी, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री मदन कुमार, सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग, सदर मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

श्रीमती पशुला पुत्री श्री पदम कपूर, निवासी हरजस बिल्डिंग, भगवाहन मुहल्ला, मण्डी नगर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना—पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्रीमती पशुला पुत्री श्री पदम कपूर, निवासी हरजस बिल्डिंग नगर मण्डी, भगवाहन मुहल्ला ने इस अदालत में प्रार्थना—पत्र मय शपथ—पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि उनका स्वयं का जन्म दिनांक 2—11—1948 को हुआ था परन्तु अज्ञानतावश उसकी जन्म तिथि एम0 सी0 मण्डी के रिकार्ड में दर्ज नहीं करा सकी।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारे किसी को कोई एतराज हो तो दिनांक 10-11-2007 को असालतन या वकालतन प्रातः 11.00 बजे हाजिर होकर अपना एतराज पेश कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्रार्थना-पत्र पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

आज दिनांक 10-10-2007 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

मदन कुमार,
सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग,
सदर मण्डी, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्रीमती प्रियंका बासू ईगति, उप-मण्डल दण्डाधिकार, ठियोग, जिला शिमला (हि0 प्र0)

श्री इन्द्रजीत डोगरा पुत्र श्री शौकिना चन्द, ग्राम शाली बजार, वार्ड नं0 4, नगर परिषद् ठियोग,
तहसील ठियोग ..प्रार्थी।

बनाम

आम जनता ..प्रत्यार्थी।

आवेदन-पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969

श्री इन्द्र जीत डोगरा पुत्र श्री शौकिन चन्द, ग्राम शाली बजार, वार्ड नं0 4, नगर परिषद् ठियोग, जिला शिमला ने अपनी पुत्री कु0 रेजनी डोगरा जिसकी जन्म तिथि 6-10-1988 ईस्वी की है को नगर परिषद् ठियोग के परिवार रजिस्टर में दर्ज करवाने हेतु प्रार्थना-पत्र गुजार रखा है।

अतः इस इशतहार के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि इस बारा किसी व्यक्ति अथवा रिश्तेदार को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 12-11-2007 को प्रतः 10.00 बजे हाजिर अदालत आकर अपना एतराज पेश करें अन्यथा दीगर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 5-10-2007 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

मोहर।

प्रियंका बासुईगति,
उप-मण्डल दण्डाधिकारी,
ठियोग, जिला शिमला (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्रीमती प्रियंका बासू ईगति, उप-मण्डल दण्डाधिकारी ठियोग, जिला शिमला (हि0 प्र0)

श्री गंगा राम पुत्र श्री धनी राम, ग्राम मानण, ग्राम पंचायत कोट शिलारू, तहसील ठियोग, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश ..प्रार्थी।

बनाम

आम जनता ..प्रत्यार्थी।

नाम दुरुस्ती बारे प्रार्थना-पत्र।

इश्तहार

श्री गंगा राम पुत्र श्री धनी राम, ग्राम मानण, ग्राम पंचायत कोट शिलारू, तहसील ठियोग, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश ने अपने पिता का नाम पंचायत रिकार्ड के मुताबिक धेनू दर्ज है जबकि प्रार्थी के पिता का नाम नौकरी पेशा रिकार्ड में धनी राम दर्ज है। इसलिए प्रार्थी अपने पिता का नाम पंचायत रिकार्ड, ग्राम पंचायत शिलारू में धेनू की जगह धनी राम दर्ज करवाने हेतु प्रार्थना-पत्र गुजार रखा है।

अतः इस इश्तहार के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि इस बारा किसी व्यक्ति अथवा रिश्तेदार को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 12-11-2007 को प्रतः 10.00 बजे हाजिर अदालत आकर अपना एतराज पेश करें अन्यथा दीगर कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 5-10-2007 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

मोहर।

प्रियंका बासुईगति,
उप-मण्डल दण्डाधिकारी,
ठियोग, जिला शिमला (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री आर0 सी0 कटोच, तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील बंगाणा, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

श्री पवन कुमार पुत्र श्री भगत राम, निवासी गांव बीहडू कलां, तप्पा टीहरा, तहसील बंगाणा, जिला ऊना (हि0 प्र0) ..प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्र बाबत जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री पवन कुमार पुत्र श्री भगत राम, निवासी टीका बीहडू कलां, तप्पा टीहरा, तहसील बंगाणा, जिला ऊना ने इस न्यायालय में प्रार्थना-पत्र गुजारा है कि उसके पुत्र का नाम कृष्ण कुमार है। जिसकी जन्म तिथि 25-5-2002 है। अज्ञानतावश वह अपने पुत्र की जन्म तिथि ग्राम पंचायत के रिकार्ड में दर्ज न करवा सके हैं। जिसे दर्ज करने के आदेश पारित किए जावें।

अतः सर्वसाधारण को इस इश्तहार हि० प्र० राजपत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त जन्म तिथि पंचायत रिकार्ड में पंजीकरण बारे कोई आपत्ति या एतराज हो तो वह निर्धारित तिथि पेशी दिनांक 6-11-2007 को इस न्यायालय में प्रातः 10.00 बजे असातन या वकालतन उपस्थित आकर अपनी आपत्ति या एतराज प्रस्तुत कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 6-10-2007 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

आर० सी० कटोच,
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील बंगाणा, जिला ऊना, (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री आर० सी० कटोच, तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील बंगाणा, जिला ऊना,
हिमाचल प्रदेश

श्री अजीत कुमार पुत्र श्री मनशा राम, गांव कोलका, तहसील बंगाणा, जिला ऊना (हि० प्र०) प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्र बाबत नाम दुरुस्ती कागजात माल।

श्री अजीत कुमार पुत्र श्री मनशा राम, निवासी गांव कोलका, तहसील बंगाणा, जिला ऊना ने इस न्यायालय में प्रार्थना-पत्र गुजारा है कि उसका नाम स्कूल प्रमाण-पत्र व पंचायत रिकार्ड में अजीत कुमार दुरुस्त दर्ज है परन्तु कागजात माल में उसका नाम जीत कुमार पुत्र मनशा राम गलत दर्ज चला आ रहा है। इसलिए कागजात माल में उसका नाम जीत कुमार की बजाए अजीत कुमार पुत्र मनशा राम दुरुस्त दर्ज करने के आदेश पारित किए जावें।

अतः सर्वसाधारण को इस इश्तहार हि० प्र० राजपत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त नाम दुरुस्ती में कोई आपत्ति या एतराज हो तो वह निर्धारित तिथि पेशी दिनांक 16-11-2007 को इस न्यायालय में प्रातः 10.00 बजे असातन या वकालतन उपस्थित आकर अपनी आपत्ति या एतराज प्रस्तुत कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 6-10-2007 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

आर० सी० कटोच,
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील बंगाणा, जिला ऊना (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री आर० सी० कटोच, तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील बंगाणा, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

श्री रमेश चन्द पुत्र श्री ध्यानू, जात ब्राह्मण, निवासी टीका रौणखर, तप्पा खरयालता, तहसील बंगाणा, जिला ऊना (हि० प्र०) प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना—पत्र बाबत नाम दुरुस्ती कागजात माल।

श्री रमेश चन्द पुत्र श्री ध्यानू, जात ब्राह्मण, निवासी टीका रौणखर, तप्पा खरयालता, तहसील बंगाणा, जिला ऊना (हि० प्र०) ने इस न्यायालय में प्रार्थना—पत्र गुजारा है कि उसके पुत्र दीपन शर्मा “नावालगान” का नाम स्कूल प्रमाण—पत्र में तो सही है परन्तु कागजात माल में उसका नाम चरंजी लाल पुत्र रमेश चन्द गलत दर्ज चला आ रहा है। इसलिए उसके पुत्र का नाम कागजात माल में चरंजी लाल की बजाए दीपन शर्मा पुत्र रमेश चन्द दुरुस्त दर्ज करने के आदेश पारित किए जावें।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार हि० प्र० राजपत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त नाम दुरुस्ती में कोई आपत्ति या एतराज हो तो वह निर्धारित तिथि पेशी दिनांक 16—11—2007 को इस न्यायालय में प्रातः 10.00 बजे असागतन या वकालतन उपस्थित आकर अपनी आपत्ति या एतराज प्रस्तुत कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 6—10—2007 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

आर० सी० कटोच,
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील बंगाणा, जिला ऊना (हि० प्र०)।

ब अदालत श्री चैन सिंह ठाकुर, तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, ऊना, तहसील व जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

रणजीत कुमार

बनाम

आम जनता।

नोटिस बनाम आम जनता।

दरखास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969.

श्री रणजीत कुमार पुत्र श्री अमर नाथ, निवासी कुठार कलां, तहसील ऊना, जिला ऊना ने इस अदालत में दरखास्त दी है कि उसके पुत्र साहिल कुमार का जन्म गांव कुठार कलां में दिनांक 27—5—2000 का हुआ था परन्तु इसे ग्राम पंचायत के रिकार्ड में पंजीकरण नहीं करवाया जा सका। अब पंजीकरण करने के आदेश दिए जावें।

अतः इस नोटिस के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त जन्म के पंजीकरण बारे कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 16—11—2007 को सुबह 10.00 बजे अधोहस्ताक्षरी के समक्ष असागतन/वकालतन हाजिर आकर पेश कर सकता है अन्यथा उपरोक्त जन्म का पंजीकरण करने के आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 9-10-2007 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी हुआ।

मोहर।

चैन सिंह ठाकुर,
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील व जिला ऊना, (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री चैन सिंह ठाकुर, तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, ऊना, तहसील व जिला ऊना,
हिमाचल प्रदेश

किशन दास

बनाम

आम जनता।

किशन दास बनाम आम जनता।

दरखास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1969.

श्री किशन दास पुत्र श्री हंस राज, निवासी डठबाड़ा तहसील ऊना, जिला ऊना ने इस अदालत में दरखास्त दी है कि उसके दोहते रवि का जन्म गांव डठबाड़ा में दिनांक 27-5-2002 का हुआ है परन्तु इसे ग्राम पंचायत के रिकार्ड में पंजीकरण नहीं करवाया जा सका। अब पंजीकरण करने के आदेश दिए जावें।

अतः इस नोटिस के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त जन्म के पंजीकरण बारे कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 16-11-2007 को सुबह 10.00 बजे अधोहस्ताक्षरी के समक्ष असालतन/वकालतन हाजिर आकर पेश कर सकता है अन्यथा उपरोक्त जन्म का पंजीकरण करने के आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 9-10-2007 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी हुआ।

मोहर।

चैन सिंह ठाकुर,
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,
तहसील व जिला ऊना (हि0 प्र0)।

लोक निर्माण विभाग

अधिसूचनाएं

शिमला-2, 10 अक्टूबर, 2007

सं0पी0बी0डब्ल्यू0 (बी0) एफ(5) 248 / 2007.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव हटली, तहसील बंगाणा जिला ऊना में ऊना-अग्धार-मण्डी राज्य उच्च मार्ग के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा- 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस(30) दिन की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहर्ता, लोक निर्माण विभाग उ0 क्षेत्र कांगडा के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

5. भूमि रेखांक का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी लोक निर्माण विभाग उ0 क्षेत्र कांगडा कार्यालय में किया जा सकता है।

जिला	तहसील	गांव	खसरा न0	रकबा(हेक्टेयर में)
ऊना	बंगाणा	हटली	12 / 1	0-00-18
			38 / 1	0-05-45
		कुल जोड़	किता-2	0-05-63

शिमला-2, 28 सितम्बर, 2007

सं0 पी0बी0डब्ल्यू0 (बी0)(एफ) (5) 9 / 2007.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु गांव डडियार, तहसील बंगाणा, जिला ऊना में (ऊना-अग्धार-मण्डी) कि0मी0 4 / 0 से 45 / 0 तक मैहतपुर-ऊना-अम्ब (सूपर हाईवे) सड़क के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित विवरणी में वर्णित भूमि उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

2. यह घोषणा, भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-6 के उपबन्धों के अधीन इससे सम्बन्धित सभी व्यक्तियों को सूचना हेतु की जाती है तथा उक्त अधिनियम की धारा-7 के अधीन भू-अर्जन समाहर्ता लोक निर्माण विभाग उत्तर क्षेत्र, कांगडा को उक्त भूमि के अर्जन करने के आदेश लेने का एतद् द्वारा निदेश दिया जाता है।

3. भूमि रेखांक का निरीक्षण भू-अर्जन समाहर्ता, लोक निर्माण विभाग, उत्तर क्षेत्र, कांगडा के कार्यालय में किया जा सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा न०	रकबा(है० में)
ऊना	बंगाणा	डडियार	173	0-07-03
			174	0-01-04
			225	0-17-15
			228	0-01-57
			229	0-05-59
			233	0-03-08
			238	0-16-33
			239	0-01-15
			331	0-05-94
			332	0-04-56
			330	0-49-40
			338	0-00-42
			159	0-02-12
			166	0-02-68
			168	0-03-27
			71	0-05-00
			70	0-00-81
			66	0-02-61
			65	0-01-02
			38	0-03-78
			30	0-02-03
			29	0-04-98
			785 / 18	0-09-45
			17	0-02-11
			16	0-09-54
			15	0-09-99
			14	0-07-13
			12	0-01-08
			13	0-09-49
			784 / 18	0-04-79
			37	0-04-50
			72	0-01-50
			218	0-00-26
			171	0-29-90
			172	0-01-60
			217	0-02-70
			किता 36	2-35-60

सं0पी0बी0डब्ल्यू0 (बी)(एफ) (7) 1-133/2006.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु गांव खंगालता, तहसील बडसर, जिला हमीरपुर में राज्य उच्च मार्ग उना-अग्गार-मण्डी सड़क के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित विवरणी में वर्णित भूमि उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

2. यह घोषणा, भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-6 के उपबन्धों के अधीन इससे सम्बन्धित सभी व्यक्तियों को सूचना हेतु की जाती है तथा उक्त अधिनियम की धारा-7 के अधीन भू-अर्जन समाहर्ता लाके निर्माण विभाजाता है।

3. भूमि रेखांक का निरीक्षण भू-अर्जन समाहर्ता, लोक निर्माण विभाग मध्य क्षेत्र मण्डी के कार्यालय में किया जा सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा न0	क्षे0(हेक्टर)
हमीरपुर	बडसर	खंगालता	1336	0-00-12
			1337	0-00-25
			1344	0-00-20
			1345	0-00-18
			1357	0-00-16
			1365 / 1	0-00-22
			1365 / 2	0-01-48
			1388	0-00-38
			1390 / 1	0-00-35
			1398	0-00-66
			1399	0-01-05
			1403	0-00-12
			1406	0-00-57
			1409	0-00-10
			1410	0-00-16

			1417	0-00-12
			1430 / 1	0-00-52
			1481	0-00-80
			1498 / 1	0-00-07
			1502 / 1	0-00-09
			1503 / 1	0-00-03
			1504 / 1	0-00-09
			1506 / 1	0-00-15
			1507 / 1	0-00-20
			1510 / 1	0-01-15
			1511 / 1	0-00-45
			1512 / 1	0-00-35
			1513 / 1	0-00-30
			1514 / 1	0-00-27
			1515	0-00-28
			1522 / 1	0-00-78
			1523 / 1	0-00-40
			1524	0-00-12
			1525 / 1	0-00-64
		कुल जोड	किता 34	0-12-72

सं० पी०बी०डब्ल्यू० (बी)(एफ) (5) 42/2007.—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु गांव तनोह, तहसील बंगाणा, जिला ऊना में (ऊना-अधार-मण्डी) कि०मी० 4/0 से 45/0 तक मैहतपुर-ऊना-अम्ब (सूपर हाईवे) सडक के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित विवरणी में वर्णित भूमि उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

2. यह घोषणा, भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-6 के उपबन्धों के अधीन इससे सम्बन्धित सभी व्यक्तियों को सूचना हेतु की जाती है तथा उक्त अधिनियम की धारा-7 के अधीन भू-अर्जन समाहर्ता लोक निर्माण विभाग उत्तर क्षेत्र, कांगडा को उक्त भूमि के अर्जन करने के आदेश लेने का एतद् द्वारा निदेश दिया जाता है।

3. भूमि रेखांक का निरीक्षण भू-अर्जन समाहर्ता, लोक निर्माण विभाग, उत्तर क्षेत्र, कांगडा के कार्यालय में किया जा सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा न०	रकबा(है० में)
ऊना	बंगाणा	तनोह	1	0-00-36
			2	0-04-93
			6	0-00-72
			7	0-00-32
			10	0-00-57
			11	0-01-70
			12	0-00-22
			16	0-12-37
			19	0-01-49
			22	0-06-39
			24	0-13-48
			35	0-01-45
			36	0-00-37
			38	0-00-48
			39	0-02-85
			40	0-00-51
			41	0-01-89
			45	0-00-30
			46	0-00-16
			47	0-00-65
			48	0-01-32
			49	0-01-98
			50	0-00-15
			52	0-04-90

			55	0-00-84
			56	0-00-63
			57	0-00-45
			58	0-02-68
			59	0-00-30
			60	0-00-27
			61	0-06-43
			62	0-03-76
			64	0-01-97
			65	0-02-69
			66	0-02-10
			67	0-02-25
			68	0-00-68
			69	0-00-66
			70	0-01-82
			71	0-00-88
			73	0-02-82
			74	0-26-46
			75	0-00-75
			76	0-24-01
			90	0-13-10
			91	0-00-18
			93	0-00-22
			94	0-00-25
			95	0-03-39
			96	0-00-42
			98	0-02-80
			99	0-05-69
			126	0-02-34
			127	0-01-16
			128	0-00-18
			129	0-00-58
			130	0-00-12
			132	0-00-48
			194	0-05-04
			195	0-02-81
			202	0-14-05
			203	0-08-45
			204	0-00-30
			205	0-00-20
			206	0-00-25
			208	0-01-43
			209	0-02-01
			210	0-00-30
			211	0-00-73

			212	0-03-62
			217	0-01-06
			218	0-02-75
			219	0-01-18
			220	0-01-00
			221	0-00-53
			222	0-02-26
			223	0-11-40
			241	0-02-90
			242	0-05-43
			250	0-08-25
			251	0-00-44
			252	0-06-39
			253	0-0-82
			254	0-00-50
			255	0-01-10
			1029	0-10-93
			1034	0-02-99
			1052	0-03-37
			1053	0-02-33
			1054	0-01-82
			1056	0-00-72
			1057	0-02-64
			1058	0-01-12
			1059	0-02-58
			1064	0-00-96
			1066	0-03-44
			1070	0-00-36
			1069	0-00-24
			1068	0-01-62
			1074	0-01-57
			1067	0-01-44
			1071	0-01-92
		जोड़ कुल	102	2-97-67

शिमला-2, 5 अक्टूबर, 2007

सं० पी०बी०डब्ल्यू(बी०)एफ(5)280/2007.-यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव, मन्डेली, तहसील देहरा, जिला कांगडा में ज्वालामुखी देहरा नैहरनपुखर कलोहा ज्वाली सडक के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी

अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है , उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को, जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा 4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमत: अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस दिन की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहर्ता लोक निर्माण विभाग कांगडा के समक्ष अपनी आपति दायर कर सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा न०	क्षेत्र है० में
कांगडा	देहरा	मन्डेली	865 / 1	00-2-20
			किता 1	00-2-20

शिमला-2, 15 सितम्बर, 2007

सं० पी०बी०डब्ल्यू० (बी०)एफ०-(5)34 / 2007.-यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु गांव ननांवी, तहसील बंगाणा, जिला ऊना में (ऊना- अग्धार-मण्डी) कि०मी० 4/० से 45/० तक सड़क के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित विवरणी में वर्णित भूमि उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

2. यह घोषणा, भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-6 के उपबन्धों के अधीन इससे सम्बन्धित सभी व्यक्तियों को सूचना हेतु की जाती है तथा उक्त अधिनियम की धारा-7 के अधीन भू-अर्जन समाहर्ता लोक निर्माण विभाग उत्तर क्षेत्र, कांगडा को उक्त भूमि के अर्जन करने के आदेश लेने का एतद् द्वारा निदेश दिया जाता है।

3. भूमि रेखांक का निरीक्षण भू-अर्जन समाहर्ता, लोक निर्माण विभाग, उत्तर क्षेत्र, कांगडा के कार्यालय में किया जा सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा न०	रकबा(है० में)
ऊना	बंगाणा	ननांवी	1066	0-41-56
			1074	0-01-96
			1075	0-01-24
			1076	0-01-80
			1094	0-00-52
			1095	0-03-12
			1096	0-13-38
			1099	0-02-26
			1103	0-00-72
			1127	0-05-11
			1129	0-01-08
			1130	0-1-28
			1132	0-10-50
			1133	0-00-98
			1134	0-11-31
			1264	0-01-66
			1280	0-02-80
			1283	0-34-81
			1285	0-92-77
			1293	0-02-28
			1294	0-24-05
			1296	0-21-02
		कुल जोड	किता-22	02-76-21

शिमला-2, 9 अक्टूबर, 2007

सं० पी०बी०डब्ल्यू० (बी०) एफ(7) -134/2007.-यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु गांव, टिक्कर तहसील बडसर, जिला हमीरपुर में उना-अगार-मण्डी सडक के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित विवरणी में वर्णित भूमि उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

2. यह घोषणा, भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-6 के उपबन्धों के अधीन इससे सम्बन्धित सभी व्यक्तियों को सूचना हेतु की जाती है तथा उक्त अधिनियम की धारा-7 के अधीन भू-अर्जन समाहर्ता लोक निर्माण विभाग मण्डी को उक्त भूमि के अर्जन करने के आदेश लेने का एतद् द्वारा निदेश दिया जाता है।

3. भूमि रेखांक का निरीक्षण भू-अर्जन समाहर्ता, लोक निर्माण विभाग, मण्डी के कार्यालय में किया जा सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा न०	रकबा है 0 में
हमीरपुर	बडसर	टिक्कर राजपुता	955 / 1	0-00-95
			957 / 1	0-00-10
			1013 / 1	0-00-50
			1014 / 1	0-00-20
			1161 / 1	0-00-03
			1103 / 1	0-00-45
			1104 / 1	0-00-12
			1106 / 1	0-00-70
			1107 / 1	0-00-28
			1108 / 1	0-00-47
			1109 / 1	0-02-05
			1123 / 1	0-01-20

शिमला-2, 11 अक्टूबर, 2007

सं० पी०बी०डब्ल्यू० एफ(बी०)(5)1-74/2007.-यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश सरकार को सरकारी व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु गांव, वीजापुर, धुसुसाडा अवल, चरुडू व कटोहड कलाँ ,तहसील अम्ब, जिला उना में मैहतपुर उना-अम्ब सडक के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव एतद् द्वारा यह घोषित किया जाता है कि निम्नलिखित विवरणी में वर्णित भूमि उपर्युक्त प्रयोजन के लिए अपेक्षित है।

2. यह घोषणा, भूमि अर्जन अधिनियम,1894 की धारा-6 के उपबन्धों के अधीन इससे सम्बन्धित सभी व्यक्तियों को सूचना हेतु की जाती है तथा उक्त अधिनियम की धारा-7 के अधीन भू-अर्जन समाहर्ता

लोक निर्माण विभाग कांगडा को उक्त भूमि के अर्जन करने के आदेश लेने का एतद् द्वारा निदेश दिया जाता है।

3. भूमि रेखांक का निरीक्षण भू-अर्जन समाहर्ता, लोक निर्माण विभाग कांगडा के कार्यालय में किया जा सकता है।

विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा न०	बीघे-बिस्वा में
उना	अम्ब	वीजापुर	754 / 1	0-00-40
			756 / 1	0-01-29
			757 / 1	0-00-92
			758	0-00-15
			760	0-00-76
			761 / 1	0-00-36
			762 / 1	0-00-90
			792 / 1	0-00-56
			793 / 1	0-01-26
			2868 / 1	0-02-73
			किता 10	0-09-33

उना	अम्ब	धुसाडा अवल	91 / 1	0-03-15
			92 / 1	0-14-54
			93 / 2	0-15-12
			94 / 1	0-03-22
			95 / 1	0-01-67
			96 / 2	0-09-20
			97 / 1	0-00-48
			115 / 1	0-00-84
			117 / 1	0-02-24
			118 / 2	0-05-17
			121 / 1	0-13-57
			122 / 1	0-02-31
			123 / 2	0-04-80
			125 / 2	0-01-00
			126 / 2	0-07-44
			1541 / 1	0-00-17
			1542 / 1	0-01-90
			1543 / 1	0-06-87
			1546 / 2	0-22-68
			1547 / 2 / 2	0-17-04
			1822 / 2	0-23-20
			1831 / 2	0-05-82
			1832 / 1	0-01-60
			किता 23	1-64-03

उना	अम्ब	चरुडू	674 / 1	0-06-72
			677 / 1	0-14-55
			681 / 1	0-02-62
			842 / 1	0-04-27
			843 / 1	0-04-26
			844 / 2	0-03-04
			846 / 2	0-04-80
			852 / 1	0-01-96
			853	0-02-20
			854 / 1	0-02-29
			858 / 2	0-00-69
			861 / 1	0-01-12
			866 / 2	0-25-90
			किता 13	0-76-32
उना	अम्ब	कटौहड कलौ	307 / 1	0-00-10
			308 / 1	0-00-25
			309 / 1	0-01-80
			310 / 1	0-00-25
			313 / 1	0-00-68
			314	0-01-04
			315	0-00-72
			316 / 1	0-01-19
			324 / 1	0-03-50
			325 / 1	0-03-99

			358 / 1	0-01-39
			359	0-00-58
			360 / 1	0-02-03
			1254 / 1	0-00-15
			1255 / 1	0-05-20
			1278 / 1	0-01-82
			1278 / 1 / 1	0-00-49
			1279	0-13-81
			1280 / 1	0-03-01
			1285 / 1	0-00-52
			1286 / 1	0-04-46
			1287 / 1	0-03-18
			1288 / 1	0-01-54
			1289 / 2	0-05-37
			1310 / 2	0-07-87
			1312 / 1	0-00-48
			1314 / 2	0-07-32
			1346 / 1	0-01-20
			1359 / 1	0-01-71
			1360 / 1	0-00-88
			1361 / 2	0-08-77
			1373 / 2	0-04-37
			1374 / 1	0-01-84
			1377 / 1	0-01-59

			1391 / 1	0-00-77
			1396 / 1	0-03-90
			1397 / 1	0-01-44
			1450	0-07-57
			1524 / 1	0-01-75
			1525 / 1	0-03-41
			1526 / 1	0-08-49
			1757 / 1	0-01-70
			1761 / 1	0-00-36
			2264 / 1	0-01-57
			2294 / 1	0-03-30
			2314 / 1	0-00-70
			2315 / 1	0-01-29
			2315 / 2	0-01-43
			2316 / 1	0-03-89
			2317 / 1	0-02-95
		कुल जोड	किता 50	1-37-62

आदेश द्वारा,
हस्ता/-
प्रधान सचिव।